हिमालयी नदियाँ

हिमालय पर्वत परिसर निम्नलिखित तीन जल निकासी प्रणालियों का स्रोत है:

1. सिंधु प्रणाली
2. गंगा प्रणाली
3. ब्रह्मपुत्र प्रणाली

सिंधु प्रणाली

- **सिंधु नदी:** सिंधु तिब्बत में मानसरोवर झील के पास 5,180 मीटर की ऊंचाई से निकलती है। 2,880 किमी की कुल लंबाई के साथ, सिंधु दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में से एक है.
- **झेलम नदी:** झेलम नदी पीर पंजाल की तलहटी में वेरीनाग में बहती है और भारत में इसका जल निकासी क्षेत्र 28,490 वर्ग किलोमीटर है.
- **चिनाब नदी:** चिनाब नदी, सिंधु की सभी सहायक नदियों में सबसे बड़ी है और दो धाराओं चंद्रा और भागा द्वारा बनाई गई है, जो कुल्लू के पास बर्फ से ढके हिमाचल के पहाड़ों में बढ़ती हैं। भारत में इसका जल निकासी क्षेत्र 26,755 वर्ग किलोमीटर है।
- **रावी नदी:** रावी नदी हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे के पास कुल्लू की पहाड़ियों में और भारत में 5,957 वर्ग किलोमीटर में बहती है
- **ब्यास नदी:** ब्यास नदी हिमाचल पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे के पास ब्यास कुंड नामक स्थान पर उत्पन्न होती है। अपने प्रारंभिक चरण में, इसकी घाटी को कुल्लू घाटी कहा जाता है।
- **सतलुज नदी:** सतलुज नदी तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊंचाई पर स्थित राकस झील से निकलती है। राकस झील एक धारा द्वारा मानसरोवर झील से जुड़ी हुई है। सतलुज शिपकी ला के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।

गंगा प्रणाली

भारत में 8,61,404 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के साथ गंगा नदी बेसिन, देश में सबसे बड़ा है.

- **गंगा नदी:** गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर में बहती है। इसके दो मुख्य शीर्ष भागीरथी और अलकनंदा - देवप्रयाग में मिलते हैं, जहाँ से इसे गंगा कहा जाता है। इसकी कुल लंबाई 2,510 किमी है, और यह 9,51,600 वर्ग किमी में फैला है।

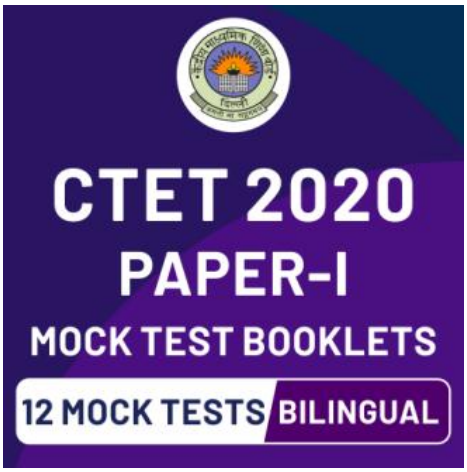

- **यमुना नदी:** यमुना गंगा की सबसे महत्वपूर्ण सहायक नदी है। यह उत्तराखंड में यमनोत्री ग्लेशियर पर उगता है। इलाहाबाद तक के अपने स्रोत से, जहाँ यह गंगा से मिलता है, यमुना की लंबाई 1,376 किमी है और यह 3,59,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैलती है।
- **राम गंगा नदी:** राम गंगा नदी कुमाऊँ हिमालय में निकलती है और कालागढ़ के पास गंगा के मैदान में प्रवेश करती है। यह कन्नौज के पास गंगा में मिलती है।
- **गंडक नदी:** गंडक नदी चीन-नेपाल सीमा के पास से निकलती है और सोनपुर में गंगा में मिलती है। यह 9,540 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है।
- **कोसी नदी:** कोसी नदी के स्रोत सिक्किम, नेपाल और तिब्बत की हिमालय की ऊंचाइयों में हैं। यह भारत में 21,500 वर्ग किलोमीटर तक फैला है और भागलपुर के नीचे गंगा में मिलती है।
- **सोन नदी:** सोन नदी गंगा की एक दाईं सहायक नदी है, जो अमरकंटक के पठार से उठने के बाद पटना के पास गंगा में मिलती है। यह 71,900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है।
- **दामोदर नदी:** दामोदर नदी जो वास्तव में पश्चिम बंगाल में भागीरथी-हुगली से मिलती है, छोटानागपुर पठार की पहाड़ियों में उगती है। यह 22,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है। पूर्व में इसकी बाढ़ के कारण "बंगाल का दु: ख" कहा जाता था,
- **चंबल नदी:** यह मध्यप्रदेश की जान पहाड़ियों की पहाड़ियों में महू के पास से निकलती है और चौरासीगढ़ में एक घाट में प्रवेश करता है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में यमुना में मिलती है
- **घाघरा नदी:** यह तिब्बत में मानसरोवर के दक्षिण में गुरुला मंधेता चोटी के पास स्थित है।
- **काली नदी:** यह ट्रेनों के बर्फ से ढके क्षेत्र के उच्च ग्लेशियरों में उगती है - हिमालय नेपाल और कुमाऊं के बीच सीमा बनाती है। टनकपुर के पास के मैदानों में पहुंचने के बाद इसे सरदा के नाम से जाना जाता है।

ब्रह्मपुत्र प्रणाली

ब्रह्मपुत्र नदी एक ग्लेशियर में, तिब्बत में मानसरोवर झील से लगभग 100 किमी दक्षिण-पूर्व में निकलती है। भारत में प्रवेश करने से पहले, इसे तिब्बत में त्सांग-पो कहा जाता है। चीनी मानचित्र इसे यारलुंग ज़ंगबो जियांग के रूप में दिखाते हैं। यह दिहंग के नाम से असम हिमालय को पार करता है। भारत में ब्रह्मपुत्र की कुल लंबाई 2,900 किलोमीटर है, और यह भारत में 2,40,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है.

TEST SERIES
Bilingual
UGC NET
PAPER I
15 Full-Length Mocks